

## वैश्विक समुद्र-स्तर में वृद्धि और इसके प्रभाव: WMO

### प्रलिस के लयः

WMO, जलवायु संकट, ग्लोबल वार्मगऱ, तटीय पारसुथतऱकऱ तंत्र ।

### मेन्स के लयः

वैश्वऱकऱ समुद्र-स्तर में वृद्धऱ और ऱसके प्रभाव ।

### चर्चा में क्युँ?

[वशऱव ढुसड वऱजऱन संगठन](#) कऱ "वैश्वऱकऱ समुद्र-स्तर में वृद्धऱ और ऱसके प्रभाव" रऱडुऱर के अनुसऱर, वैश्वऱकऱ स्तर पर डररत, चीन, डरंगलऱदेश एवं नऱदरलैंड समुद्र स्तर में वृद्धऱ के करण सडसे अधकऱ प्रडरवतऱ हुने वऱले देश हैं ।

- समुद्र के स्तर में वृद्धऱ लऱगडड सडुड डरररररररररर के कई डडे शहरुँ के असुततऱव के लयऱ खतरऱ है ।
- इनमें शरंगऱई, डऱकऱ, डैंकुक, जकररतऱ, डुंडई, डऱडुडु, लऱगुस, कऱहरऱ, लंडन, कुुडेनहेगन, न्यूयुँरक, लुँस ँजलऱस, डुडुनस ऱडररस और सैंतडऱगु शऱडलऱ हैं ।

### रडुऱर के प्रडुख डदऱः

- डुडुडऱ सुथतऱ और अनुडऱन:**
  - वरुष 2013 और 2022 के डुडु वैश्वऱकऱ ऱसत समुद्र-स्तर 4.5 डडुडु/वरुष थऱ और वरुष 1971 के डऱड से डऱ डऱनवऱड गतवऱधऱडुँ कु ऱस वृद्धऱ कऱ डुखुड कररक डऱनऱ जऱतऱ ररऱ है ।
    - वरुष 1901 और 2018 के डुडु वैश्वऱकऱ ऱसत समुद्र-स्तर में 0.20 डुडुडु की वृद्धऱ हुई ।
    - वरुष 1901 और 1971 के डुडु 1.3 डडुडु/वरुष ।
    - वरुष 1971 और 2006 के डुडु 1.9 डडुडु/वरुष
    - वरुष 2006 से 2018 के डुडु 3.7 डडुडु/वरुष ।
  - डदऱ ग्लुडल वऱरडगऱ कु डुरव-ऱुडुडुगऱकऱ स्तरुँ से 1.5 डडुडुऱ सेलसडऱस तक सीडतऱ ररखऱ जऱतऱ है, तड डऱ समुद्र के स्तर में उललेखनऱड वृद्धऱ हुुगऱ ।
  - समुद्र स्तर के संडरड डें ँक डडुडुऱ कऱ हर ँश डऱडने ररखतऱ है । डदऱ तऱडडऱन डें 2 डडुडुऱ कऱ वृद्धऱ हुुतऱ है, तु स्तर डें डऱ वृद्धऱ डुगुनऱ हुु सकतऱ है तथऱ तऱडडऱन डें और वृद्धऱ हुुने से समुद्र के स्तर डें तेऱऱ से वृद्धऱ ऱसऱ के अनुडुडु हुुगऱ ।
- समुद्र स्तर कऱ वृद्धऱ डें डुगडऱनकरुततऱ:**
  - तऱडुडु वसुतऱर ने वरुष 1971-2018 के डुडुऱन समुद्र के जल स्तर डें 50% कऱ वृद्धऱ डररुड कऱ है, जसऱकऱ कररण है- ग्लेशऱडरुँ कऱ डरुड डें 22%कऱ नुकसऱन, ऱडसशुड डें 20% कऱ नुकसऱन और डुडुडु-जल डंडऱरण डें 8% कऱ गरऱवड ।
  - वरुष 1992-1999 और वरुष 2010-2019 के डडुडु डरुड कऱ डरत के नुकसऱन कऱ डर डऱर गुनऱ डडुडु गई । वरुष 2006-2018 के डुडुऱन वैश्वऱकऱ स्तर पर समुद्र के स्तर डें वृद्धऱ के लयऱ ँक सऱथ ऱडसशुड और ग्लेशऱडरऱ कऱ डडे डुडुडुऱन डें नुकसऱन ऱसके प्रडुख कररक रहे ।
- प्रडऱव:**
  - 2-3 डडुडुऱ सेलसडऱस के डडुडु नरऱतर उषडन स्तर पर गुरऱनलैंड और डुशुडडऱडऱरकडकऱ कऱ डरुड कऱ डऱडरुँ लऱगडड डुडुऱ तररु से और ँडरवरऱरुतनऱड डुडु से कई सडसुरऱडडुडुडुडु डें वलुडुडुत हुु जऱँगुनऱ, जसऱसे समुद्र के जल स्तर डें कई डुडुडुऱ कऱ वृद्धऱ हुुने कऱ संडऱवऱनऱ है ।
  - समुद्र के स्तर डें वृद्धऱ से तटीय पऱरसुथतऱकऱ तंत्र और पऱरसुथतऱकऱ तंत्र सेवऱऱुँ, डुडुजल लवणऱकरण, डऱडुडु तथऱ तटीय डुनडऱडऱ डुँडे कुु नुकसऱन हुुने कऱ ऱऱशंकऱ है कुु ऱऱकुडुवकऱ, डसुतडुडुडु, सुवऱसुथडु, कलुडुडुडु, डुडुजन, वसुथऱडन एवं जल सुरकषऱ व सऱंसुकृतकऱ डुडुडुडु के लयऱ कुुखडुडु कऱ कररण डन सकतऱ है ।

### डररत के लयऱ डरदुशुडुऱः

- **समुद्र के स्तर में वृद्धि की दर:**
  - पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय के अनुसार, पछिली शताब्दी (1900-2000) के दौरान भारतीय तट के साथ समुद्र का स्तर लगभग 1.7 ममी./वर्ष की दर से औसतन बढ़ रहा था।
  - समुद्र के स्तर में 3 सेंटीमीटर की वृद्धि से समुद्र 17 मीटर तक अंतरदेशीय हो सकता है। भविष्य में 5 सेमी./दशक की दर से समुद्र का वसितार एक शताब्दी में 300 मीटर भूमि पर हो सकता है।
- **भारत अधिक संवेदनशील है:**
  - भारत समुद्र स्तर में वृद्धि के बढ़ते प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है।
  - हिंद महासागर के स्तर में आधी वृद्धि जल के आयतन में वसितार के कारण होती है क्योंकि महासागर तेज़ी से गर्म हो रहा है।
  - ग्लेशियर के पिघलने का उतना अधिक योगदान नहीं है।
  - सतह के गर्म होने के मामले में हिंद महासागर सबसे **तेज़ी से गर्म होने वाला महासागर** है।
- **प्रभाव:**
  - भारत हमारी तटरेखा के साथ जटिल चरम घटनाओं का सामना कर रहा है। समुद्र के गर्म होने से अधिक नमी एवं गर्मी के कारण **चक्रवात** तेज़ी से बढ़ रहे हैं।
  - बाढ़ की घटनाएँ इसलिये भी बढ़ जाती हैं क्योंकि तूफान के बढ़ने से समुद्र स्तर में दशक-दशक तेज़ी से वृद्धि हो रही है।
  - चक्रवातों के कारण पहले की तुलना में अधिक बारिश हो रही है। **सुपर साइकलोन अम्फान (2020)** के कारण बड़े पैमाने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है और खारे जल से दसियों किलोमीटर अंतरदेशीय क्षेत्र जलमग्न हो गया।
  - समय के साथ संधि, **गंगा** और ब्रह्मपुत्र नदियाँ सिकुड़ सकती हैं तथा खारे जल के प्रसार के साथ बढ़ते समुद्र स्तर से उनके विशाल डेल्टा का बड़ा हिस्सा नरिजन होने की संभावना देखी जा रही है।

## सफ़ारिशें:

- **जलवायु संकट** को संबोधित करने तथा असुरक्षा के मूल कारणों के प्रति हमारी समझ को व्यापक बनाने की आवश्यकता है।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने और **पूरव चेतावनी प्रणाली** में सुधार के लिये ज़मीनी स्तर पर लचीलेपन के प्रयासों को सक्रिय रूप से समर्थन देना अनिवार्य है।

## वश्व मौसम वजिज्ञान संगठन (WMO):

- **वश्व मौसम वजिज्ञान संगठन (WMO) 192 देशों की सदस्यता वाला एक अंतर-सरकारी संगठन है।**
  - भारत, वश्व मौसम वजिज्ञान संगठन का सदस्य देश है।
- इसकी उत्पत्ति अंतरराष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान संगठन (IMO) से हुई है, जिसवर्ष 1873 के वियना अंतरराष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान कॉन्ग्रेस के बाद स्थापित किया गया था।
- 23 मार्च, 1950 को WMO कन्वेंशन के अनुसमर्थन द्वारा स्थापित WMO, मौसम वजिज्ञान (मौसम और जलवायु), जल वजिज्ञान तथा इससे संबंधित भू-भौतिकीय वजिज्ञान हेतु **संयुक्त राष्ट्र** की विशेष एजेंसी है।
- WMO का मुख्यालय जनिवा, स्विट्ज़रलैंड में है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. 'जलवायु परिवर्तन' एक वैश्विक समस्या है। भारत जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित होगा? जलवायु परिवर्तन द्वारा भारत के हिमालयी और समुद्रतटीय राज्य किस प्रकार प्रभावित होंगे? (मुख्य परीक्षा, 2017)

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस